

न्यूज ब्रीफ

रुद्रांश और अक्षत को
मिला गोल्ड मेडल
शाहजहांपुर, अमृत विचार: एम्जेपी
रोडिल्खड विश्वविद्यालय, बरेली
द्वारा घोषित सत्र 2025 की टॉपर
सूची में यामी शुक्रदेवानंद कॉलेज,
शाहजहांपुर के दो विद्यार्थियों ने गोल्ड
मेडल प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन
किया है। इनसप्ताह विभाग अध्यक्ष
डॉ. अद्यत पांडेय ने बताया एसएसपी
(वनस्पति विज्ञान) वर्ग में अक्षत वर्म
ने 8.60 सीजीपीए (86 प्रतिशत)
प्राप्त कर विश्वविद्यालय में श्रम स्थान
हासिल किया और गोल्ड मेडल प्राप्त
किया। वाई.सी.एसपी (बायोलॉजी) वर्ग
में रुद्रांश विवेदी ने 8.57 सीजीपीए
(85.70 प्रतिशत) के साथ गोल्ड
मेडल अर्जित किया। इस उपलब्ध पर
मुमुक्षु शिक्षा संकाल के मुद्दा अधिकारी
परम्परागत वर्षामें विभागानंद सरकारी
समेत अन्य ने बधाई दी।

ट्यूबवेल से घार सोलर पैनल चोरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार: किसान
के खेत में लगे ट्यूबवेल पर लगे सोलर
ऊर्जा के पैनल चोरी हो गए। प्लाईट ने
थाने में तहसीर देकर कार्रवाई की मांग
की। रोजा थाना क्षेत्र के मोहल्ले लोहापुर
निवासी मोहम्मद शर्मा ने थाना पर दी
हाई तरीर में बताया कि उसका खेत
हथैडा बुर्जुमं नवोदय विद्यालय के
निकट है। उसने ट्यूबवेल की दो मैनिल
छत पर 09 पैनल लगाए थे, जिसमें घार
पैनल चोरी हो गए। पुलिस ने पैनल लोही
की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

शाहजहांपुर में वंदे भारत का किया स्वागत

जनप्रतिनिधियों और एसपी ने दिखाई हरी झंडी, स्टेशन पर उमड़ी भारी भीड़, पहले दिन दो सौ लोग हुए सवार



शाहजहांपुर स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाते जनप्रतिनिधि और एसपी।

अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : लखनऊ-
सहानुर वंदे भारत के प्रथम
उत्तर पर शनिवार को शाहजहांपुर
रेलवे स्टेशन पर जनप्रतिनिधियों
और पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी
ने संयुक्त रूप से ट्रेन को हरी
झंडी दिखाकर रवाना किया। यह
शाहजहांपुर से जुगने वाली तीसरी
सेमी हाईस्पीड ट्रेन है, जिसके
आगमन से यात्रियों में उत्साह का
माहौल रहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने
वाराणसी से वंदे भारत ट्रेन को
वर्तुली हरी झंडी दिखाकर
रवाना किया, जिसके बाद यह
ट्रेन लखनऊ चारबाग स्टेशन से
चली। हालांकि तकनीकी कारणों
से ट्रेन की रुकी चार घंटे की दौरी से
शाहजहांपुर पहुंची, जहां सुबह 11
बजकर 17 मिनट पर लॉकरम
नंबर लीन पर जैसे ही ट्रेन पहुंची,
स्टेशन "वंदे भारत" के नाम से
रुंग उठा। वंदे भारत ट्रेन को
बरेली की दिशा में रवाना करने
के लिए तिलहर विधायक सलाना
कुशवाह, ददरौल विधायक
अरविंद सिंह, एमएलसी सुमीर
सिंह, एसपी राजेश द्विवेदी, जिला
पंचायत अधिकारी उपस्थित
महापाल अधिकारी उपस्थित
रहे।

स्टेशन को विशेष रूप से
सजाया गया था। जगह-जगह
फूलों की झालें, झंडे और मैट
लगाए गए थे। वंदे भारत के स्वागत
के लिए मंच बनाया गया था, जहां
पर रेल अधिकारियों ने अंतिमियों
रुंग उठा। वंदे भारत ट्रेन को
बरेली की दिशा में रवाना करने
के लिए तिलहर विधायक सलाना
कुशवाह, ददरौल विधायक
अरविंद सिंह, एमएलसी सुमीर
सिंह, एसपी राजेश द्विवेदी, जिला
पंचायत अधिकारी उपस्थित
महापाल अधिकारी उपस्थित
रहे।

निरीक्षण करते जिलाधिकारी धमेंद्र प्रताप सिंह ने तहसील पूर्वायां क्षेत्र
के ग्राम नाहिल स्थित प्रैसिड सागर
झील का निरीक्षण किया। यह झील
कभी अपने नीले कमलों और विदेशी
पक्षियों के आगमन के लिए जानी
जाती थी, लेकिन समय के साथ
इसका स्वरूप काफी बदल गया
है। झील के विषय में पिछले कुछ
समय से लोकभारी कार्यकर्ताओं ने
जिलाधिकारी से सौंदर्यकरण कराने
वाले गोप्य अभ्यारण व बजारण वाटिका
बनाने की मांग रखे थे।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने
ग्रामीणों से बातचीत कर झील से
परिवर्तित गोप्य के लिए एक समग्र
कार्यक्रम के लिए जाएगा। उन्होंने
समय में सागर झील को उसके
प्राकृतिक स्वरूप में पुनः स्थापित
किया जाएगा और यहां एक गैर
जुड़ी उनकी भावनाएं और स्मृतियां
साझा कीं। उन्होंने कहा कि यह झील
हजार गांवों के लिए आश्रय, चारा,

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: शाहजहांपुर राडॅड
टेबल 298 जो कि राडॅड टेबल
इंडिया के अंतर्गत कार्यरत है।

जिसके द्वारा आरटीआई सप्ताह
का आयोजन 9 से 15 नवम्बर तक
किया जाएगा।

इस दौरान सेवा की भावना, समाज

के उत्थान और वंचित बच्चों की

शिक्षा के प्रति समर्पण के समर्पित

रहेगा। एसआरटी 298 की ओर
से विधिमूलीय सेवा

तिवारीयों का आयोजन किया

जाएगा, जिनका उद्देश्य समाज पर

सार्थक और स्थायी प्रभाव छोड़ना

है। संगठन की एक व्यवसायिक

बैठक चेयरमैन अक्षत सक्सेना के

कार्यालय में आयोजित की गई,

आरटीआई सप्ताह की लाई

कार्यक्रम की अध्यक्षता, शाहजहांपुर

में आयोजित की गई।

अमृत विचार की अध्यक्षता

जिसमें आगामी आरटीआई सप्ताह

के लिए जारी की गई। बैठक

में आरटीआई सप्ताह के लिए एक समग्र

कार्यक्रम की गई। बैठक

में आरटीआई सप्ताह के लिए एक समग्र

कार्यक्रम की गई। बैठक

में आरटीआई सप्ताह की गई।

अमृत विचार की अध्यक्षता

जिसमें आगामी आरटीआई सप्ताह

की गई। बैठक

में आरटीआई सप्ताह की गई।

अमृत विचार की अध्यक्षता

जिसमें आगामी आरटीआई सप्ताह

की गई। बैठक

में आरटीआई सप्ताह की गई।

अमृत विचार की अध्यक्षता

जिसमें आगामी आरटीआई सप्ताह

की गई। बैठक

में आरटीआई सप्ताह की गई।

अमृत विचार की अध्यक्षता

जिसमें आगामी आरटीआई सप्ताह

की गई। बैठक

में आरटीआई सप्ताह की गई।

अमृत विचार की अध्यक्षता

जिसमें आगामी आरटीआई सप्ताह

की गई। बैठक

में आरटीआई सप्ताह की गई।

अमृत विचार की अध्यक्षता

जिसमें आगामी आरटीआई सप्ताह

की गई। बैठक

में आरटीआई सप्ताह की गई।

अमृत विचार की अध्यक्षता

जिसमें आगामी आरटीआई सप्ताह

की गई। बैठक

में आरटीआई सप्ताह की गई।

अमृत विचार की अध्यक्षता

जिसमें आगामी आरटीआई सप्ताह

की गई। बैठक

में आरटीआई सप्ताह की गई।

अमृत विचार की अध्यक्षता

जिसमें आगामी आरटीआई सप्ताह

की गई। बैठक

में आरटीआई सप्ताह की गई।

अमृत विचार की अध्यक्षता

जिसमें आगामी आरटीआई सप्ताह

की गई। बैठक

में आरटीआई सप्ताह की गई।

अमृत विचार की अध्यक्षता

जिसमें आगामी आरटीआई सप्ताह

की गई। बैठक

न्यूज ब्रीफ

प्री राशन वितरण शुरू
25 तक चलेगा अभियान

अमृत विचार, लखनऊः प्रदेश में

निःशुल्क राशन वितरण का विशेष

अभियान शनिवार से शुरू हो गया

है, जो 25 नवंबर तक चलेगा। खाद्य

एवं रसद विभाग ने इस संबंध में

सभी जिलों के अधिकारियों

को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि वितरण

पूरी तरह ई-पास मशीन के माध्यम

से दर्ज किया जाएगा, ताकि पारदर्शिता

बनी रहे और किसी पात्र कार्डधारक

को राशन से विचार न रहने पड़े। प्री

राशन वितरण योजना के तहत प्रति

ग्राहकीया कार्डधारकों को प्रति शून्यित 2

किलो गेहूं और 3 किलो चावल, यानी

कुल 5 किलो अनाज प्रति सदस्य

निःशुल्क दिया जाएगा। वर्ती, अंत्योदय

कार्डधारकों को 14 किलो गेहूं और

21 किलो चावल, यानी कुल 35 किलो

राशन फ्री मिलेगा।

वंदे भारत ट्रेनों से यूपी

में पर्यटन को नई उड़ान

अमृत विचार, लखनऊः पर्यटन एवं

संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बनारस

से चार नई वें भारत एक्सप्रेस ट्रेनों

को हीड़ी दिखाकर राजना करने

के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त

करते हुए कहा कि इन ट्रेनों से राज्य

में पर्यटन और संस्कृतिक अवान-

प्रदान को नई दिशा मिलेगी। शुरू होने

वाली इन ट्रेनों में बनारस-खजुराहो

और लखनऊ-सहारनपुर वें भारत

एक्सप्रेस ट्रेनों परी शामिल है। यर्टन

मंत्री ने शनिवार को जारी बयान में कहा

कि अत्याधिक सुविधाओं से युक्त वें

भारत ट्रेने यात्रियों को न केवल नेता,

आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का

अनुभव देंगी, बल्कि कार्यी, प्रशासनिक,

लखनऊ, सहारनपुर और बुलेंखड़

जैसे प्रमुख पर्यटन केंद्रों के पहुंच को

आसान बनाएंगी।

भारत पर्व में प्रतिभाग

करेंगे प्रदेश के कलाकार

अमृत विचार, लखनऊः संस्कृति

एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा

कि भारत पर्व 2025 में भाग लेने के

लिए संस्कृति विभाग त्रा. के विनानि

संस्कृतिक दल दिखाया

के लिए ग्राहक हो गए। यह लग उत्त

की कला और संस्कृति को "संरक्षण

से संरक्षण" की दिशा में एक बड़ा कदम

है। इससे प्रदेश की संरक्षित को भारत

की आत्मा के रूप में उदयना जाएगा

और "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की

पर्यटन मंत्री ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि विभाग द्वारा व्यावित संस्कृति दल के लिए ग्राहक हो गए।

भारत पर्व में प्रतिभाग

करेंगे प्रदेश के कलाकार

अमृत विचार, लखनऊः विभाग

में शनिवार से बाहरीत

कर रही ही। उन्होंने

कहा कि इसी आई

आधार कांडों का

आई नहीं मान रहा है, तो पीछे मनें रेंद्र

मोटी खुद जबवाद दे। योगीको वे लगातार

आजार की ही खबान रहे हैं। उन्होंने

कहा कि संविधान में एसआईआर का

कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए संविधान

व्यावहारिक के लिए हजार है।

युवकों को जिहाद करने का काम कर

रहा है। इसका राह में विशेष

प्रदेश मुख्यालय में

प्रदेश संसद में बाहरीत

कर रही ही। उन्होंने

कहा कि इसी कांडों

का आधार कांडों का

आई नहीं है।

युवकों को जिहाद के

संदर्भ में एसआईआर का

कोई विवरण नहीं है।

युवकों को जिहाद करने का काम कर

रहा है। इसका राह में विशेष

प्रदेश मुख्यालय में

प्रदेश संसद में बाहरीत

कर रही ही।

युवकों को जिहाद करने का काम कर

रहा है। इसका राह में विशेष

प्रदेश मुख्यालय में

प्रदेश संसद में बाहरीत

कर रही ही।

युवकों को जिहाद करने का काम कर

रहा है। इसका राह में विशेष

प्रदेश मुख्यालय में

प्रदेश संसद में बाहरीत

कर रही ही।

युवकों को जिहाद करने का काम कर

रहा है। इसका राह में विशेष

प्रदेश मुख्यालय में

प्रदेश संसद में बाहरीत

कर रही ही।

युवकों को जिहाद करने का काम कर

रहा है। इसका राह में विशेष

प्रदेश मुख्यालय में

प्रदेश संसद में बाहरीत

कर रही ही।

युवकों को जिहाद करने का काम कर

रहा है। इसका राह में विशेष

प्रदेश मुख्यालय में

प्रदेश संसद में बाहरीत

कर रही ही।

युवकों को जिहाद करने का काम कर

रहा है। इसका राह में विशेष

प्रदेश मुख्यालय में

प्रदेश संसद में बाहरीत

कर रही ही।

युवकों को जिहाद करने का काम कर

रहा है। इसका राह में विशेष

प्रदेश मुख्यालय में

प्रदेश संसद में बाहरीत

कर रही ही।

युवकों को जिहाद करने का काम कर

रहा है। इसका राह में विशेष

प्रदेश मुख्यालय में

प्रदेश संसद में बाहरीत

कर रही ही।

युवकों को जिहाद करने का काम कर

रहा है। इसका राह में विशेष

प्रदेश मुख्यालय में

प्रदेश संसद में बाहरीत

कर रही ही।

युवकों को जिहाद करने क



मेरा मुख में कुछ नहीं, जो कुछ है सो तरा।
तेरा तुझकों संपूर्णा, तरा लगी है मेरा॥

कवीरदास जी कहते हैं, मेरे पास मेरा अपना कुछ भी नहीं है। मेरा यश, मेरी धन-संपत्ति सब कुछ तुहारा ही है। जब मेरा कुछ भी नहीं है, तो उसकी माफी कैसे? इसमें मेरा कुछ भी नुकसान नहीं है, वयोंकि मेरे तीरे दी हुई बीजे, तुझ ही सम्पत्ति करता हूँ।

वंदे मातरम् : राष्ट्रीय पुनर्जगित का बीज मंत्र

शब्दों के घटक अक्षर और अक्षर की घटक ध्वनि। ध्वनियों के कुशल संयोजक राग गहरे हैं। कोई शब्द अपनी अक्षर शक्ति से मंत्र बन जाते हैं। ऐसे अक्षर नहीं होता। ऐसा तभी होता है, जब दिक्काल शुभ मुहूर्त की रचना करे। ऐसी मुहूर्त में उत्पन्न होता है शक्तिशाली शब्द, जिसका पुरुशरण होता रहता है। वंदे मातरम् बैंकिंग चन्द्र के उत्पन्न 'आनंद मठ' का हिस्सा है। राष्ट्रीय अंदोलन में भारत के अवनि अंबर वंदे मातरम् के धोष से बहुत रहे हैं। वंदे मातरम् राष्ट्रीय पुनर्जगित का बीज मंत्र है। अभी तीन दिन पहले इसकी 100 वीं जन्म जयंती मनाई गई। उनिया की फिरी भी देश में घर-घर पहुँचने वाली ऐसी काव्य रचना नहीं मिलती।

'वंदे मातरम्' मंत्र का अवतरण वैदिक ऋग्वेद के विशद्ध ऋग्वेदों की ही तरह 7 नवंबर, 1875 को हुआ। अंग्रेजी राज के विशद्ध देश की सांस्कृतिक राष्ट्र भावाभिव्यक्ति वंदे मातरम् में प्रकट हुई। 'वंदे मातरम्' 'आनंद मठ' (1882) में छापा। कांग्रेस 1885 में बनी। एक वर्ष बाद कलकत्ता में हुए अधिवेशन (1886) में हेमेन्द्र बाबू ने वंदे मातरम् गया। अद्यक्ष मौ. रहमत उल्लाह सयानी ने कोई प्रतिवाद नहीं किया। 1896 के कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवीन्द्रनाथ टैटोर ने इसे देशराज एक ताल में गया। विट्टेस सत्ता वंदे मातरम् से डर गई। सकरार ने बांगल विभाजन की धोषणा की। विरोध शुरू हो गया। बंगाल धरधक उठा। भारत के अवनि-अंबर में वंदे मातरम् था। 8 नवंबर, 1905 को वंदे मातरम् प्रतिवर्धित हो गया। विश्वविद्यालय चिंतक विल ड्यूरेन्ट ने बाद में कहा—'टट बाज 1905, देन दैट इंडियन रिवोल्यूशन बिगेन।' वाराणसी के कांग्रेस अधिवेशन (1905) में फिर से वंदे मातरम् गूंजा। पूर्वी बंगल में कांग्रेस ने शोभायात्रा (1906) निकाली। सेना ने लालीचाच किया। कांग्रेसी नेता अब्दुल रसूल सहित सबने वंदे मातरम् का जयकरा लगाया। कांग्रेस के राष्ट्रवादी नेता विपिन चन्द्र पाल के अखबार 'वंदे मातरम्' पर वंदे मातरम् की प्रांतियां लिखने पर एक मुकदमा (26.8.1907) चला। विपिन पाल ने 'वंदे मातरम्' के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को राष्ट्रद्वारा हवाया। उन्हें 6 माह की सजा की धोषणा हुई। अदालत के बार वंदे मातरम् का जयघोष हुआ। भयंकर लालीचाच में दूर बैठ 15 वर्षीय शिशु सुशोल कुमार भी पीटा गया।

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा (25 अगस्त, 1948) में बताया, "संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली (1947) में हमारे प्रतिनिधि से राष्ट्रगान की मांग की गई। हमारे पास राष्ट्रगान की कोई रिकार्डिंग नहीं थी, जिसे हम विदेश भेज सकते। प्रतिनिधि के पास 'जन गण मन' का रिकार्ड था। इसे बजाया गया तो अनेक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में जरूरी अवसरों पर बजाया जाता है।"

उसने प्रतिवाद किया। उसे 15 बेटों की सजा सुनाई गई। वंदे मातरम् का उत्पन्न कहा। 1905-06 वंदे मातरम् के उत्पन्न का कालखंड है। वंदे मातरम् देश के सभी क्षेत्रों में भारत भवित्व का स्वामिन बना।

भारत के अनेक भाषा भाषी कवियों ने 'वंदे मातरम्' अनुवाद किया। विश्वविद्यालय कवि सुभ्राम्यम भारती ने तमिल में वंदे मातरम् गया। फिर ल.न. पंतल ने तेलगु में वंदे मातरम् की भावाभिव्यक्ति दी। भाषाएं अनेक, भारत माता और वंदे मातरम् एक का असंतु विद्युत विद्युत। 2005 में प्रोफेसर मोहम्मद खान (समिति राष्ट्रपाल) ने इसका एक और उर्दू अनुवाद किया है।

समाज के सभी वर्गों में वंदे मातरम् की लोकप्रियता थी, लेकिन इसी मंत्र के मात्रम् से सत्ता में आई कांग्रेस का इतिहास समझौतावादी ही रहा। काकीनाडा कांग्रेस अधिवेशन (1923) हुआ। पं. विणु दिंबांग पुलस्कर के वंदे मातरम् गायन के समय अध्यक्ष मौ. अली ने तक दिलचस्प है। उनके तक और प्रथम दो चरण ही गए। जाने का प्रस्ताव उत्तरते हुए। उनके तक एक सूर्योदयी की गई। हमारे पास राष्ट्रगान की कोई रिकार्डिंग नहीं थी, जिसे हम आएंगे तो 'पूरा' गायें।" दिल्ली ने 'हां' किया। आकाशवाणी से वंदे मातरम् का पूरा प्रसारण हुआ, लेकिन आजादी के 1 वर्ष बाद ही राष्ट्रगान 'जन गण मन' आ गया। क्यों आ गया?

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा (25 अगस्त, 1948) में बताया, "संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली (1947) में हमारे प्रतिनिधि से राष्ट्रगान की विदेशी अंबर ने राग 'खंभावती' व कृष्ण राग ने 'राग गिरजाई' दी गई। पुलस्कर ने कई राग मिलाकर गाए, जिनमें हुंगल वंगल व ओंकारान्थ ठाकुर ने इसी के लिए नया राग बनाया। लेकिन आजादी के 1 वर्ष बाद ही राष्ट्रगान और वंदे मातरम् से सरलता से विदेश में उपयोग हुए बजाया जा सके।"

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने वंदे मातरम् का स्वामिन बना। वंदे मातरम् के प्रत्येक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में वंदे मातरम् गया। वंदे मातरम् का अवसर धरधक उठा। भारत के अवनि-अंबर में वंदे मातरम् था। 8 नवंबर, 1905 को दिन लगा होना था। बंगाल धरधक उठा। भारत के अवनि-अंबर में वंदे मातरम् था। 19 अक्टूबर, 1905 को वंदे मातरम् प्रतिवर्धित हो गया। विश्वविद्यालय चिंतक विल ड्यूरेन्ट ने बाद में कहा—'टट बाज 1905, देन दैट इंडियन रिवोल्यूशन बिगेन।'

वाराणसी के कांग्रेस अधिवेशन (1905) में फिर से वंदे मातरम् गूंजा। पूर्वी बंगल में कांग्रेस ने शोभायात्रा (1906) निकाली। सेना ने लालीचाच किया। कांग्रेसी नेता अब्दुल रसूल सहित सबने वंदे मातरम् का जयकरा लगाया। कांग्रेस के राष्ट्रवादी नेता विपिन चन्द्र पाल के अखबार 'वंदे मातरम्' पर वंदे मातरम् की प्रांतियां लिखने पर एक मुकदमा (26.8.1907) चला। विपिन पाल ने 'वंदे मातरम्' के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को राष्ट्रद्वारा हवाया। उन्हें 6 माह की सजा की धोषणा हुई। अदालत के बार वंदे मातरम् का जयघोष हुआ। भयंकर लालीचाच में दूर बैठ 15 वर्षीय शिशु सुशोल कुमार भी पीटा गया।

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने वंदे मातरम् का स्वामिन बना। वंदे मातरम् के प्रत्येक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में वंदे मातरम् गया। वंदे मातरम् का अवसर धरधक उठा। भारत के अवनि-अंबर में वंदे मातरम् था। 8 नवंबर, 1905 को वंदे मातरम् प्रतिवर्धित हो गया। विश्वविद्यालय चिंतक विल ड्यूरेन्ट ने बाद में कहा—'टट बाज 1905, देन दैट इंडियन रिवोल्यूशन बिगेन।'

वाराणसी के कांग्रेस अधिवेशन (1905) में फिर से वंदे मातरम् गूंजा। पूर्वी बंगल में कांग्रेस ने शोभायात्रा (1906) निकाली। सेना ने लालीचाच किया। कांग्रेसी नेता अब्दुल रसूल सहित सबने वंदे मातरम् का जयकरा लगाया। कांग्रेस के राष्ट्रवादी नेता विपिन चन्द्र पाल के अखबार 'वंदे मातरम्' पर वंदे मातरम् की प्रांतियां लिखने पर एक मुकदमा (26.8.1907) चला। विपिन पाल ने 'वंदे मातरम्' के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को राष्ट्रद्वारा हवाया। उन्हें 6 माह की सजा की धोषणा हुई। अदालत के बार वंदे मातरम् का जयघोष हुआ। भयंकर लालीचाच में दूर बैठ 15 वर्षीय शिशु सुशोल कुमार भी पीटा गया।

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने वंदे मातरम् का स्वामिन बना। वंदे मातरम् के प्रत्येक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में वंदे मातरम् गया। वंदे मातरम् का अवसर धरधक उठा। भारत के अवनि-अंबर में वंदे मातरम् था। 8 नवंबर, 1905 को वंदे मातरम् प्रतिवर्धित हो गया। विश्वविद्यालय चिंतक विल ड्यूरेन्ट ने बाद में कहा—'टट बाज 1905, देन दैट इंडियन रिवोल्यूशन बिगेन।'

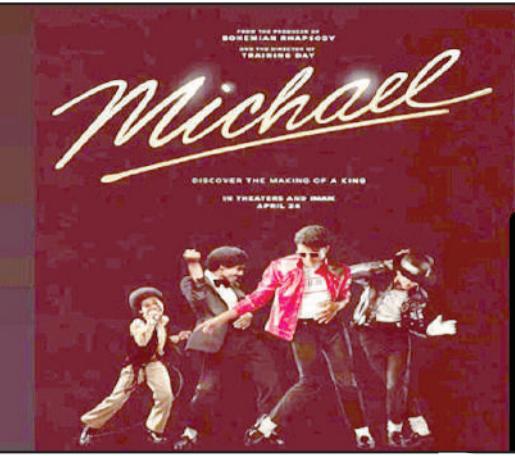
वाराणसी के कांग्रेस अधिवेशन (1905) में फिर से वंदे मातरम् गूंजा। पूर्वी बंगल में कांग्रेस ने शोभायात्रा (1906) निकाली। सेना ने लालीचाच किया। कांग्रेसी नेता अब्दुल रसूल सहित सबने वंदे मातरम् का जयकरा लगाया। कांग्रेस के राष्ट्रवादी नेता विपिन चन्द्र पाल के अखबार 'वंदे मातरम्' पर वंदे मातरम् की प्रांतियां लिखने पर एक मुकदमा (26.8.1907) चला। विपिन पाल ने 'वंदे मातरम्' के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को राष्ट्रद्वारा हवाया। उन्हें 6 माह की सजा की धोषणा हुई। अदालत के बार वंदे मातरम् का जयघोष हुआ। भयंकर लालीचाच में दूर बैठ 15 वर्षीय शिशु सुशोल कुमार भी पीटा गया।

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने वंदे मातरम् का स्वामिन बना। वंदे मातरम् के प्रत्येक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में वंदे मातरम् गया। वंदे मातरम् का अवसर धरधक उठा। भारत के अवनि-अंबर में वंदे मातरम् था। 8 नवंबर, 1905 को वंदे मातरम् प्रतिवर्धित हो गया। विश्वविद्यालय चिंतक विल ड्यूरेन्ट ने बाद में कहा—'टट बाज 1905, देन दैट इंडियन रिवोल्यूशन बिगेन।'

वाराणसी के कांग्रेस अधिवेशन (1905) में फिर से वंदे मातरम् गूंजा। पूर्वी बंगल में कांग्रेस ने शोभायात्रा (1



पॉप के बादशाह की बायोपिक 'माइकल' में नजर आएंगे



उनके भतीजे जाफर जैक्सन

माइकल जैक्सन को दुनिया भर में 'पॉप का बादशाह' कहा जाता है। उन्होंने संगीत, नृत्य और मनोरंजन की दुनिया में ऐसा क्रांतिकारी योगदान दिया, जिसे नई परिभाषा देने का श्रेय

भी उन्हीं को जाता है। उनके आइकॉनिक एल्बम - 'थ्रिलर', 'बैड' और 'डेंजरस' ने पॉप संगीत के इतिहास की दिशा

बदल दी। उनकी विशिष्ट

कलात्मकता, रिदमिक संगीत,

नवोन्मेषी वीडियो और मूनवॉक

जैसा दिग्गज डांस मूव पॉप संस्कृति को नई ऊँचाई तक ले गए। इसी महान कलाकार की जिंदगी पर आधारित बायोपिक

'माइकल' का टीजर हाल ही

में जारी किया गया है। 16 नवंबर को जारी किए गए इस एक मिनट के टीजर में माइकल जैक्सन का किरदार उनके सगे भतीजे जाफर जैक्सन निभाते नजर आ रहे हैं। फिल्म

में कॉलमैन डोमिंगो, निया लॉन्ग और माइल्स टेलर जैसे प्रसिद्ध कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

टीजर में माइकल की दुनिया की झलक

टीजर की शुरुआत स्टूडियो में जाफर जैक्सन द्वारा निभाए गए माइकल के किरदार से होती है, जहां वे हेडफोन लगाकर रिकॉर्डिंग की तैयारी करते दिखते हैं। इसके बाद स्टूडियो से सीधे दूश्य एक थरे हुए स्टेडियम पर कट होते हैं, जहां माइकल की लोकप्रियता की भव्य झलक दिखाई देती है। एक मिनट के टीजर में माइकल की दुनिया की झलक नजर आई।

टीजर में माइकल के पेट के क्लोज-अप शॉट्स और एक बोर्ड पर चिपके नोट्स नजर आते हैं, जिन पर 'Beat It' और 'Billie Jean' लिखा है। गौरतलब है कि 1983 में रिलीज हुआ 'Beat It' माइकल जैक्सन की डिस्कोग्राफी में एक ऐतिहासिक पड़ाव माना जाता है। इसने उन्हें वैश्विक सितारा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 80 के दशक के संगीत का चेहरा बदल दिया। इसी दौरान टीजर में यह भी दिखाया गया है कि कैसे

जाफर जैक्सन मच पर माइकल जैसी जादुई नृत्य ऊंची को साथ परकोर्न करते हैं और उनकी

आवाज भी एक पल को दर्शकों को प्रभित कर देती है कि यह माइकल ही है।

जाफर की अदाकारी देखकर फैस हैरान हैं और लगातार इसकी तरीफ कर रहे हैं। एक युंग ने कमेट किया - "इस ट्रेलर को ऑर्सन मिलना चाहिए।" दूसरे ने लिखा - "जाफर को माइकल का किरदार निभाते देख बहद खुशी हो रही है। इस फिल्म से बहुत उम्मीदें हैं।" तीसरे ने कहा - "उनकी आवाज बिल्कुल अपने चाचा जैसी है।"

अगले साल अप्रैल में रिलीज होगी फिल्म

यह फिल्म दुनिया के सबसे लोकप्रिय और रहस्यमय कलाकारों में से एक की जिंदगी के उन वहलूओं को सामने लाने का वादा करती है, जिन्हें कम लोगों ने जाना है। इस बातेंगी कि

माइकल जैक्सन कैसे एक अद्वितीय परफॉर्मर बने और उनकी प्रसिद्धि के पीछे कितनी महत्व और संघर्ष छिपा था। फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



ईरान की निःशरूपी आवाज एवं ट्रेस तारानेह अलीदूस्ती

तारानेह अलीदूस्ती एक ऐसा नाम है, जो ईरानी सिनेमा के साथ-साथ वहां के सामाजिक और राजनीतिक एवं महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 12 जनवरी 1984 को तेहरान में जन्मी और जिसे अभिनेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जानते हैं।

सामाजिक सक्रियता और जेल यात्रा

तारानेह अलीदूस्ती की प्रसिद्धि सिर्फ उनके अधिकारी तक ही सीमित नहीं है। वह ईरान में महिलाओं के अधिकारों और अधिकारियों की खतंत्रता की एक प्रतीक बन गई है। 2022 में हुए राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के दौरान, वह प्रश्ननकारियों के समाधान में खुलकर सामने आई। इसके बाद, उन्होंने दोषीय अपराधों के दौरान विरोध कर लिया। 18 दिनों तक जेल में रहने के बाद, उन्हें जनवरी 2023 में जमानत पर रिहा कर दिया गया। उनकी गिरजारानी ने दुनियाभर में मानवाधिकार संगठनों का ध्यान खींचा और उनकी रिहाई के लिए व्यापक अधिनायक चलाए गए।



एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व

तारानेह अलीदूस्ती जेल सिर्फ एक अंसरक विजेता अभिनेत्री नहीं है, वह एक प्रतीक वह ईरान में बदलाव की एक प्रतीक बन गई है। उन्होंने उन साथियों के लिए एक प्रेरणा है, जो दमनकारी व्यवस्था के खिलाफ खड़े होने का साधन में एक बड़ा बदलाव कर लिया।

मॉडल आण दीक



नाम: चिंगी सिंह

टाउन: कानपुर

एजुकेशन: स्नातक की पढ़ाई जारी

अचीवमेंट: शान-ए-कानपुर का खिताब

ड्रीम: प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

जिंदगी का सफर

क्लासिक वहीदा



वहीदा रहमान भारतीय सिनेमा की महत्वपूर्ण अभिनेत्री हैं, जिन्हें उनकी सुंदरता, गरिमा और अभिनय क्षमता के लिए जाना जाता है। वहीदा रहमान का जन्म 3 फरवरी 1938 को तमिलनाडु के चेंगलपूर में एक तमिल मुरिलम परिवार में हुआ था। वह बचपन से ही एक प्रीरिका भरताराद्यम नर्तकी थीं। अपने परिवार की अर्थक मदद के लिए, उन्होंने डॉक्टर बनने का अपना सपना छोड़ और फिल्मों में प्रेषण किया। उन्होंने सबसे पहले तेतुगु और जिमिल फिल्मों में काम करना शुरू किया।

उनकी प्रारिका को विदेशी सिनेमा में फिल्म निमित्त गुरु दत्त ने पहचाना, जिन्होंने उन्हें अपनी फिल्म 'सी. आई.डी.' (1956) से हिन्दी फिल्मों में लॉन्च किया। गुरु दत्त के साथ उनकी साझेदारी ने भारतीय सिनेमा को कई बदलाव दी, जिनमें 'पासा' (1957), 'कागज के पूल' (1959) और 'साहिब खाली और गुलाम' (1962) शामिल हैं।

1960 के दशक के मध्य में वहीदा रहमान ने शीर्ष अभिनेत्री के रूप में अपनी जगह दाना दी। उनकी सबसे यादगार भूमिकाओं में से एक 'गाड़ी' (1965) में 'रोजी' की थी, जिसने उन्हें व्यापक प्रशंसन और पहले फिल्मफेयर पुरस्कार दिलाया। इसके बाद, उन्होंने 'तीसरी कम्प' (1966), 'नील कम्प' (1968) और 'खामोशी' (1969) जैसी कई सफल फिल्में दीं।

1974 में अभिनेत्री शशि रेडी (कमलजीत) से शादी करने के बाद, उन्होंने अधिनायक से ब्रेक ले लिया और बंगलुरु चली गई। 2000 में अपने पति की मृत्यु के बाद, वह मुंबई लौट आई और सहयोगी भूमिकाओं में खाली की। उन्होंने 'वारद' (2005), 'रंग दे दस्ती' (2006) और 'दल्ली 6' (2009) जैसी फिल्मों में काम



